

प्रेषक,

टी० एन० सिंह,
अपर सचिव, वित्त,
उत्तराखण्ड शासन।

संवा में,

वित्त अधिकारी,
उत्तराखण्ड शासन।

वित्त अनुभाग-1

देहरादून, दिनांक 27 जून, 2007

विषय:- नाबार्ड द्वारा वर्ष 2000-01 में स्वीकृत एल.टी.ओ. ऋण की वर्ष 2007-08 में देय चतुर्थ किश्त तथा ब्याज का भुगतान विषयक शासनादेश दिनांक 29.05.2007 का शुद्धि पत्र।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 800/XXVII(1)/2007, दिनांक 29 मई, 2007 का सदर्थ ग्रहण करें।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त शासनादेश के प्रस्तर-6 में दिया "उक्त व्यय वर्ष 2007-08 के आय-व्यय में अनुदान संख्या-07 आयोजनेत्तर/गारित में अन्तर्गत निम्नलिखित लेखाशीर्षकों के अन्तर्गत डाला जायेगा-

लेखाशीर्षक

धनराशि (रुपये)

6003-राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण

00-आयोजनेत्तर

105-नाबार्ड से कर्ज

00-

30-निवेश/ऋण

1 53 600 00

2049-व्याज अदायगियां

01-आन्तरिक ऋणों पर व्याज

200-अन्य आन्तरिक ऋणों पर व्याज

07-नाबार्ड से प्राप्त ऋण तथा अन्य पर व्याज

32-व्याज/लाभांश

84 270 00 "

के स्थान पर "उक्त व्यय वर्ष 2007-08 के लेखानुदान में अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-6003-राज्य सरकार का आन्तरिक ऋण-आयोजनेत्तर-105-नाबार्ड से कर्ज-00-03-नाबार्ड का ऋण वापसी-00-30-निवेश/ऋण एवं 2049-व्याज अदायगियां-आयोजनेत्तर-01-आन्तरिक ऋणों पर व्याज-200-अन्य आन्तरिक ऋणों पर व्याज-07-नाबार्ड से प्राप्त ऋण तथा अन्य पर व्याज-00-32-व्याज/लाभांश के नामे डाला जायेगा" पढ़ा जाये।

अतः उक्त शासनादेश इस सीमा तक संशोधित समझा जायेगा।

भवदीय

(टी० एन० सिंह)
अपर सचिव, वित्त।

संख्या ६६ 1(1)/XXVII(1)/2007 एवं तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित—

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड माजरा, देहरादून ।
2. सचिव, सहकारिता, उत्तराखण्ड शासन ।
3. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन ।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
5. निबन्धक सहकारी समितियां, उत्तराखण्ड, अल्मोडा ।
6. निदेशक, एन.आई.सी. सचिवालय गारिसर, उत्तराखण्ड ।
7. नाबाई, क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून ।
8. गार्ड फ़ावली हेतु ।

आज्ञा से



(टी० एन० रिया)

अपर सचिव, वित्त।